नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

विश्व भर में पहुंचेगा हिंदी विश्वविद्यालय : केंद्रीय शिक्षा मंत्री

- रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने कहा कि अब विधि की पढ़ाई होगी भारतीय भाषाओं में
- हिंदी विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत महोत्सव में कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने 54 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक तथा 801 स्नातकों को उपाधि प्रदान की

वर्धा, 08 जनवरी 2021: केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने आज कहा कि महात्मा

गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय विश्वभर में पहुंचेगा। श्री 'निशंक' आज महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के चतुर्थ दीक्षांत महोत्सव को बतौर मुख्य अतिथि ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे।

केंद्रीय मंत्री ने अपने दीक्षांत भाषण में कहा कि आज जो लोग उपाधि लेकर योद्धा की तरह इस विश्वविद्यालय से निकल रहे हैं, उस पर गांधी जी की मुहर है। यह विश्वविद्यालय गांधी के सपनों का जीवंत प्रतीक और शक्ति का पुंज है। मुझे विश्वास है कि यह विश्वविद्यालय तक्षशिला और नालंदा जैसा ज्ञान का वैश्विक केंद्र बनेगा।

उन्होंने इस पर प्रसन्नता व्यक्त की कि हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा विधि की पढ़ाई हिंदी माध्यम से शुरू करने जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं में अब अभियांत्रिकी, चिकित्सा और विधि की पढ़ाई संभव होगी। गांधी जी ने कहा था कि राष्ट्र भाषा के बिना राष्ट्र गूंगा होता है। उन्होंने कहा कि गांधी की नई तालीम से प्रेरित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 मातृभाषाओं में शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए संकल्पबद्ध है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि एक भाषा में संचित ज्ञान राशि को दूसरी भाषा में लाने की

दृष्टि से हिंदी विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित भारतीय अनुवाद संघ से बहुत आशाएं हैं। अब तक अनुवाद संघ से 64 भाषाओं के 1100 से अधिक अनुवादकों का जुड़ना हर्ष का विषय है।

दीक्षांत महोत्सव की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी ने कहा कि आज महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय का दायित्व बहुत बढ़ गया है। राष्ट्रीय

परिप्रेक्ष्य में आज भारतीय भाषाएं और हिंदी से अपेक्षा और उसकी संपूर्ति की अपूर्व संभावनाएंउपस्थित हो गई हैं। जिस प्रकार राष्ट्रीय क्षितिज पर ये अपूर्व और अपार संभावनाएं उदित हो रही हैं उसी प्रकार अंतरराष्ट्रीय क्षितिज पर उनका प्रदीप्त उन्मेष स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर हो रहा है। उन्होंने कहा कि सारे विश्व में जहाँ भी भारतवंशी विद्यमान हैं, उनके पास महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा को पहुंचना ही होगा। हिंदी और भारतीय भाषाओं को अपनी गौरवमयी ज्ञान-परंपरा को सहेजते हुए नवीनतम और आविष्कृततम ज्ञान की ऊर्जा को ग्रहण करना होगा और नई दिशा में अपनी परंपरा के अनुसार विकसित कर विश्व के लिए प्रस्तुत करना होगा, जो एक नए विश्व के निर्माण का मार्ग प्रस्तुत कर सके।

दीक्षांत महोत्सव में विश्वविद्यालय की प्रगति का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने कहा कि कोरोना कालखंड में विश्वविद्यालय का परिसर कोरोना से मुक्त रहा है। विश्वविद्यालय ने 17 मार्च, 2020 से ही ऑनलाइन कक्षाएं प्रारंभ की और 90 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थी कक्षाओं में शामिल हुए। दुनिया के तमाम देशों के विद्यार्थियों के लिए भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की सहमति के आधार पर विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन शिक्षण प्रदान करने का काम किया। इस कालखंड में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने वर्धा जिले के 10 से अधिक गांवों का सर्वे कर 400 पृष्ठों की रिपोर्ट तैयार की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने सामाजिक संपर्क और उत्तरदायित्व का परिचय देते हुए कोरोना काल में दो हजार से अधिक जरूरतमंद लोगों की मदद की है। विश्वविद्यालय ने कोरोना के नियमों का शत प्रतिशत पालन करते हुए 11 से अधिक अंतरराष्ट्रीय वेबिनार हिंदी माध्यम से संपन्न कराया, जिसमें 10 देशों के अध्यापकों ने हिंदी में अपनी बात रखी।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने ऑनलाइन माध्यम से 54 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक तथा 801 स्नातकों (जिसमें 117 विद्यार्थियों को पी-एच.डी., 43 विद्यार्थियों को एम.फिल., 453 विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर तथा 188 विद्यार्थियों को स्नातक) को उपाधि प्रदान की।

दीक्षांत महोत्सव में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रमोद

येवले, संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुरलीधर चांदेकर, कार्य परिषद के सदस्य प्रो. योगेंद्र नाथ शर्मा, प्रो. नीरजा अरुण गुप्ता, कोर्ट के सदस्य रवींद्र लोखंडे, विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति द्वय, अधिष्ठाता गण, विभागाध्यक्ष गण, कुलसचिव तथा कार्य परिषद तथा विद्या परिषद के सदस्य ऑफलाइन एवं ऑनलाइन शामिल हुए।

विश्वविद्यालय का यह 24वाँ स्थापना दिवस भी था। इस अवसर पर सुबह 10 बजे कुलाधिपति प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय का ध्वज फहराया। उस अवसर पर कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल समेत विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्य उपस्थित थे।

जगभरात पोहोचेल हिंदी विश्वविद्यालय : केंद्रीय शिक्षण मंत्री

- रमेश पोखरियाल 'निशंक' म्हणाले, आता विधीचे शिक्षण मिळणार भारतीय भाषांमध्ये
- हिंदी विश्वविद्यालयाच्या चतुर्थ दीक्षांत महोत्सवात कुलगुरू प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल यांनी 54 विद्यार्थ्यांना सुवर्ण पदक तर 801 स्नातकांना उपाधी प्रदान केली

वर्धा, 08 जानेवारी 2021: केंद्रीय शिक्षण मंत्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' आज म्हणाले की महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय जगभरात पोहोचेल. श्री 'निशंक' आज (शुक्रवार) महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धाच्या चतुर्थ दीक्षांत महोत्सवात मुख्य अतिथी म्हणून ऑनलाइन संबोधित करत होते.

आपल्या दीक्षांत भाषणात केंद्रीय मंत्री म्हणाले की आज जे विद्यार्थी उपाधी घेवून योद्धया प्रमाणे या विश्वविद्यालयातून बाहेर पडत आहेत त्यावर गांधीजींची मोहोर आहे. हे विश्वविद्यालय गांधीजींच्या स्वप्नाचे जीवंत प्रतीक आणि शक्तिचे पुंज आहे. हे विश्वविद्यालय तक्षशिला व नालंदा सारख्या ज्ञानाचे वैश्विक केंद्र होईल असा विश्वास त्यांनी व्यक्त केला.

वर्धा विश्वविद्यालय विधीचे शिक्षण हिंदी माध्यमातून सुरू करत आहे यावर त्यांनी प्रसन्नता व्यक्त केली. भारतीय भाषांमध्ये आता अभियांत्रिकी, चिकित्सा आणि विधीचे शिक्षण शक्य होणार आहे असेही ते म्हणाले. गांधीजीच्या नई तालीमने प्रेरित राष्ट्रीय शिक्षण धोरण 2020 मातृभाषेत शिक्षण उपलब्ध करून देण्यासाठी संकल्पबद्ध आहे. विश्वविद्यालयात स्थापित भारतीय अनुवाद संघाकडून ब-याच आशा आहेत. यामुळे एका भाषेतील संचित ज्ञान दुस-या भाषेत येवू शकले. आतापर्यंत अनुवाद संघात 64 भाषांमधील 1100 अनुवादक संलग्न झाले आहेत ही खरोखरच आनंदाची बाब आहे असेही ते म्हणाले.

दीक्षांत महोत्सवाचे अध्यक्ष म्हणून बोलतांना विश्वविद्यालयाचे कुलाधिपति प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी म्हणाले की आज महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाचे दायित्व वाढले आहे. राष्ट्रीय दृष्टीने आज भारतीय भाषा व हिंदीची अपेक्षा आणि त्यांची संपूर्तिची अपूर्व संभावना उपस्थित झाली आहे. ते म्हणाले की संपूर्ण विश्वात भारतवंशी विद्यमान आहेत त्यांच्यापाशी महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात पोहोचलेपाहीजे. हिंदी व भारतीय भाषांना आपली गौरवपूर्ण ज्ञान परंपरा टिकवून ठेवत नवीन आणि आविष्कृत ज्ञानाची ऊर्जा ग्रहण केली पाहिजे. तसेच नव्या दिशेने आपल्या परंपरेनुसार तिला विकसित करत जगासमोर सादर केली पाहिजे. यामुळे नव्या विश्वनिर्मितीचा मार्ग सुकर होईल असेही ते म्हणाले.

कोरोना काळात ऑनलाइन शिक्षणाचा उल्लेख करतांना कुलगुरू प्रो. शुक्ल म्हणाले की कोरोना काळात विश्वविद्यालय परिसर कोरोना पासून मुक्त होता. विश्वविद्यालयाने 17 मार्च 2020 पासून ऑनलाइन शिक्षण सुरू झाले आणि 90 टक्यापेक्षा जास्त विद्यार्थी सहभागी झाले. विश्वविद्यालयातील विद्यार्थ्यांनी 10 गावांचे सर्वेक्षण केले व 400 पानांचा अहवाल तयार केला. ते म्हणाले की विश्वविद्यालयाने सामाजिक संपर्क व उत्तरदायित्वाचा परिचय देत कोरोना काळात 2 हजारापेक्षा जास्त गरजवंतांची मदत केली. विश्वविद्यालयाने कोरोना नियमांचे पालन करतांना 11 पेक्षा अधिक आंतरराष्ट्रीय वेबिनार हिंदी माध्यमातून संपन्न केले, ज्यामध्ये 7 पेक्षा अधिक देशांतील अध्यापकांनी हिंदी मध्ये आपले विचार मांडले.

कुलगुरू प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल यांनी ऑनलाइन माध्यमातून 54 विद्यार्थ्यांना सुवर्ण पदक व 801 स्नातकांना (ज्यामध्ये 117 विद्यार्थ्यांना पी-एच.डी., 43 विद्यार्थ्यांना एम.फिल., 453 विद्यार्थ्यांना स्नातकोत्तर व 188 विद्यार्थ्यांना स्नातक) उपाधि प्रदान केली.

दीक्षांत महोत्सवात डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालयाचे कुलगुरू प्रो. प्रमोद येवले, संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालयाचे कुलगुरू प्रो. मुरलीधर चांदेकर, कार्य परिषदेचे सदस्य प्रो. योगेंद्र नाथ शर्मा, प्रो. नीरजा अरुण गुप्ता, कोर्टचे सदस्य रवींद्र लोखंडे, विश्वविद्यालयाचे प्रकुलगुरु द्वय, अधिष्ठाता गण, विभागाध्यक्ष गण, कुलसचिव व कार्य परिषद आणि विद्या परिषदेचे सदस्य ऑफलाइन व ऑनलाइन उपस्थित होते.

विश्वविद्यालयाचा हा 24वां स्थापना दिवस होता. यानिमित्त सकाळी 10 वाजता कुलाधिपति प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी यांनी विश्वविद्यालयाचा ध्वज फडकविला. कुलगुरू प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल आणि विश्वविद्यालय परिवाराचे सर्व सदस्य याप्रसंगी उपस्थित होते.